देहरादून (उत्तराखण्ड)
रविवार 25.01.2026
समय 07.20

मुख्य समाचार :–

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सवेरे 11 बजे आकाशवाणी के 'मन की बात' कार्यक्रम में देश और विदेश के लोगों के साथ अपने विचार साझा करेंगे।
- सचिव आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास सचिव विनोद कुमार सुमन ने बारिश और बर्फबारी के मद्देनज़र अधिकारियों को सतर्क रहने और व्यवस्थाओं को जल्द सुचारू करने के निर्देश दिए।
- समान नागरिक संहिता लागू होने के एक वर्ष पूरा होने पर 27 जनवरी को पूरे प्रदेश में "यूसीसी दिवस" मनाया जाएगा।
- आज राष्ट्रीय मतदाता दिवस है। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने नागरिकों से मतदान के महत्व को समझते हुए उसमें सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया।

मन की बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सवेरे 11 बजे आकाशवाणी के 'मन की बात' कार्यक्रम में देश और विदेश के लोगों के साथ अपने विचार साझा करेंगे। ये मासिक रेडियो कार्यक्रम की 130वीं कड़ी होगी। कार्यक्रम का प्रसारण आकाशवाणी और दूरदर्शन के समूचे नेटवर्क, आकाशवाणी समाचार वेबसाइट और न्यूज़ ऑन ए आई आर मोबाइल ऐप पर भी प्रसारित किया जाएगा। इसका सीधा प्रसारण आकाशवाणी समाचार, डीडी न्यूज़, प्रधानमंत्री कार्यालय और सूचना और प्रसारण मंत्रालय के यूट्यूब चैनलों पर भी होगा। हिंदी प्रसारण के तुरंत बाद आकाशवाणी के क्षेत्रीय केंद्र प्रादेशिक भाषाओं में इसका प्रसारण करेंगे।

बारिश / बर्फबारी

आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास सचिव विनोद कुमार सुमन ने राज्य में बारिश, बर्फबारी और कोहरे की स्थिति की समीक्षा राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र से की। उन्होंने अधिकारियों को 24 घंटे सतर्क रहने और जन सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए व्यवस्थाओं को जल्द सुचारू करने के निर्देश दिए। समीक्षा के दौरान बंद सड़कों, बिजली और पेयजल आपूर्ति की स्थिति के साथ ही विभिन्न स्थानों पर वाहनों और लोगों के फंसे होने की घटनाओं पर चर्चा की गई।

सचिव ने निर्देश दिए कि बर्फबारी से प्रभावित मार्गों को प्राथमिकता के आधार पर खोला जाए और मशीनरी तथा संसाधनों को पूरी तरह सक्रिय रखा जाए। बिजली और पेयजल आपूर्ति बहाल करने के लिए विभागीय टीमों को फील्ड में तैनात रखने के भी निर्देश दिए गए।

श्री सुमन ने कहा कि कहीं भी वाहन या व्यक्ति फंसे होने की सूचना मिलने पर जिला प्रशासन तत्काल राहत और बचाव कार्य सुनिश्चित करे। दूरस्थ और संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए

हैं। शीतलहर और बर्फबारी को देखते हुए बुजुर्गों, बच्चों और अन्य संवेदनशील वर्गों की सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान देने को कहा गया है।

इस बीच रक्षा भू–सूचना विज्ञान अनुसंधान प्रतिष्ठान, चंडीगढ़ द्वारा जारी हिमस्खलन चेतावनी बुलेटिन के अनुसार आज शाम पांच बजे तक राज्य के उच्च हिमालयी क्षेत्रों में हिमस्खलन की आशंका जताई गई है। चेतावनी के मद्देनज़र संबंधित ज़िलों को अलर्ट पर रखा गया है। जिला प्रशासन को ऊंचाई वाले संवेदनशील क्षेत्रों में अनावश्यक आवाजाही पर नियंत्रण रखने और लोगों को सतर्क करने के निर्देश दिए गए हैं। सचिव आपदा प्रबंधन ने पर्वतीय क्षेत्रों में यात्रा करने वालों, ट्रेकर्स और स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे हिमस्खलन संभावित क्षेत्रों में जाने से बचें और प्रशासन द्वारा जारी दिशा–निर्देशों का पालन करें।

चिंतन शिविर

विकसित उत्तराखंड 2047 की परिकल्पना को साकार करने के लिये देहरादून में आयोजित चिंतन शिविर के दूसरे दिन ठोस, सहभागी और दीर्घकालिक रणनीतियों पर मंथन हुआ। शिविर की अध्यक्षता मुख्य सचिव आनंद बर्धन ने की।

पहले सत्र में वन, पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से जुड़ी चुनौतियों पर उत्तराखंड विज़न 2047 के तहत विभागीय कार्य योजनाओं पर चर्चा हुई। प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु की अध्यक्षता में प्राकृतिक संसाधनों, जल स्रोतों, वनों और जैव विविधता के संरक्षण को आर्थिक समृद्धि से जोड़ते हुए आपदा प्रबंधन, जलवायु सहनशीलता और संसाधन संरक्षण के माध्यम से इकोनॉमी और इकोलॉजी संतुलन पर सहमति बनी।

दूसरे सत्र में सचिव नितेश झा की अध्यक्षता में स्थानीय निकायों और पंचायतों की सहभागिता से विकास रोडमैप पर चर्चा हुई। इसमें ग्रामीण विकास और शहरी नियोजन की रूपरेखा पर विचार करते हुए स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप योजनाओं के निर्माण और संस्थागत सशक्तिकरण को संतुलित तथा समावेशी विकास की कुंजी बताया गया।

तीसरे सत्र में शैलेश बगोली की अध्यक्षता और दिलीप जावलकर की सह–अध्यक्षता में वित्तीय संसाधन सुरक्षा, सुशासन और संस्थागत सुधारों पर विचार हुआ। राजस्व वृद्धि, वित्तीय पारदर्शिता, नागरिक पुलिस, साइबर सुरक्षा, युवा कल्याण और प्रशासनिक दक्षता पर चर्चा की गई।

समापन पर मुख्य सचिव ने विकसित उत्तराखंड 2047 की तर्ज पर प्रत्येक जिले के लिए विकसित जिला कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए।

यूसीसी दिवस

समान नागरिक संहिता लागू होने के एक वर्ष पूर्ण होने पर 27 जनवरी को पूरे प्रदेश में "यूसीसी दिवस" मनाया जाएगा। इस अवसर पर राज्य के विभिन्न जनपदों में शहरी और ग्रामीण स्तर पर जागरूकता कार्यक्रम, जनसंवाद और अन्य आयोजन किए जाएंगे।

नैनीताल में मीडिया से बातचीत के दौरान मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि है और इसी भूमि से समानता, न्याय और सामाजिक समरसता का संदेश, देश को दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यूसीसी महिला सशक्तिकरण, सामाजिक समानता और नागरिकों की सुरक्षा की दृष्टि से एक महत्वपूर्ण और दूरगामी कदम है। इसके प्रभावी क्रियान्वयन में राज्य की जनता का सहयोग मिला है और विवाह, तलाक, वसीयत सहित अन्य प्रावधानों के अंतर्गत बड़ी संख्या में पंजीकरण किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यूसीसी दिवस मनाने का उद्देश्य लोगों को इसके प्रावधानों, लाभों और कानूनी प्रक्रियाओं की जानकारी देना है, ताकि समान अधिकार और न्याय की भावना मजबूत हो सके।

मतदाता दिवस

आज राष्ट्रीय मतदाता दिवस है। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने प्रदेशवासियों को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

अपने संदेश में राज्यपाल ने कहा कि देश की प्रगति और लोकतंत्र की मजबूती के लिए जागरूक, जिम्मेदार और सक्रिय मतदाता की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि मतदान केवल एक संवैधानिक अधिकार नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का नैतिक दायित्व भी है, जिसके माध्यम से लोग निर्वाचन प्रक्रिया में भागीदारी के साथ लोकतांत्रिक व्यवस्था को सुदृढ़ बनाते हैं।

राज्यपाल ने कहा कि लोकतंत्र की सफलता तभी संभव है, जब प्रत्येक नागरिक मतदान के महत्व को समझते हुए उसमें सक्रिय सहभागिता निभाए। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे स्वेच्छा से अपने संवैधानिक अधिकारों का प्रयोग करें और राष्ट्र के लोकतांत्रिक मूल्यों को और अधिक मजबूत बनाने में योगदान दें।

कैंचीधाम यात्रा मार्ग

नैनीताल ज़िले में कैंचीधाम यात्रा मार्ग पर वाहनों के दबाव को देखते हुए आज सुबह 7 बजे से यातायात डायवर्जन लागू कर दिया गया है। प्रशासन के अनुसार नैनीताल और ज्योलिकोट से कैंचीधाम जाने वाले पर्यटकों के वाहन भवाली सैनिटोरियम में पार्क कराए जाएंगे और वहां से शटल सेवा के माध्यम से श्रद्धालुओं को कैंचीधाम भेजा जाएगा। इसी तरह, भीमताल मार्ग से आने वाले पर्यटकों के वाहन विकास भवन भीमताल में पार्क कर शटल सेवा से कैंचीधाम पहुंचाया जाएगा। प्रशासन ने यात्रियों से यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखने में सहयोग की अपील की है।

ग्रीन सेस

उत्तराखंड सरकार ने ग्रीन सेस की शुरुआत कर दी है। नए साल में तीन दिन तक बॉर्डर एरिया पर इसका सफल ट्रायल किया गया, जिसके बाद नारसन चेकपोस्ट पर ऑटोमेटेड नंबर प्लेट रिकग्निशन कैमरों से ग्रीन सेस वसूली शुरू हो गई है। पहले केवल बाहरी राज्यों की कमर्शियल गाड़ियों से एंट्री टैक्स लिया जाता था, अब निजी वाहन भी इसके दायरे में आएंगे। वाहनों की पहचान कैमरों से की जा रही है और फास्टैग के माध्यम से सीधे भुगतान कट रहा है। सरकार के अनुसार चारधाम यात्रा से पहले ग्रीन सेस को पूरी तरह लागू किया जाएगा।

वहीं, वित्त सचिव दिलीप जावलकर ने बताया कि सभी विभागों को बजट का समयबद्ध और संतुलित उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि विकास कार्यों में पारदर्शिता बनी रहे।

स्वदेशी संकल्प यात्रा

स्वदेशी संकल्प यात्रा लखनऊ से प्रारंभ होकर 40 जिलों में लगभग 3,000 किलोमीटर की यात्रा तय करते हुए कल शाम देहरादून पहुंची। प्रिंस चौक पर विधायक खजान दास ने भगवा ध्वज दिखाकर यात्रा का भव्य स्वागत किया और इसे हरिद्वार के लिए रवाना किया। यात्रा के आगमन पर नारसन बॉर्डर रोड सहित शहर के विभिन्न स्थानों पर स्वागत कार्यक्रम आयोजित किए गए।

इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, उत्तराखंड के प्रांत प्रचार प्रमुख संजय कुमार ने कहा कि यह राष्ट्रव्यापी पहल स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने और आत्मनिर्भरता के संकल्प को जन–जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से शुरू की गई है।